संवाददाता सम्मेलन में प्रधान मंत्री का प्रारंभिक वक्तव्य

25 सितंबर, 2009

हम लोगों की बैठक अत्यंत उपयोगी रही जिसमें विभिन्न मुद्दों पर नेताओं के बीच व्यापक चर्चा हुई।

विज्ञप्ति और इसका संक्षिप्त वक्तव्य, मेरी टिप्पणी के पाठ के साथ आप लोगों के समक्ष है। यह सम्मेलन ट्रिलियन डॉलर सम्मेलन की तरह का नहीं था। इसका उद्देश्य इस बात की समीक्षा करना था कि अब तक क्या हुआ है और आगे क्या करना है।

कुछ महत्वपूर्ण मुद्दे जिन पर हमलोगों ने चर्चा की, वे इस प्रकार हैं :-

(1) प्रोत्साहन तय समय से पहले वापस नहीं लिए जाऐंगे।

(2) निधि के लिए आपातकालिक वित्तपोषण का कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। अब हमें वर्ष 2011 के प्रारंभ तक की समयसीमा तक निधि कोटा बढ़ाए जाने के मुद्दे को सुलझाना है। हम उन देशों को पांच प्रतिशत शेयर देने पर राजी हुए हैं जिनकी सहभागिता अबतक कम है।

(3) हमने विश्व बैंक और अन्य क्षेत्रीय विकास बैंकों को सहायता देना मंजूर किया है ताकि वर्ष 2010 के पूर्वार्द्ध में पूरी की जाने वाली उनकी पूंजीगत जरूरतों की समीक्षा के आधार पर आवश्यक संसाधन जुटा लिए जाएं।

(4) हम वैश्विक स्तर पर संतुलन कायम करने (मैक्रो बैलेन्स) पर चर्चा करने के लिए एक नए कार्यढांचे पर सहमत हुए हैं और इस बात पर भी सहमत हुए हैं कि कोई देश अपनी नीतियों के जरिए क्या योगदान कर सकता है और साथ ही, साथी देशों द्वारा एक दूसरे की समीक्षा करने की नई प्रक्रिया अथवा जी - 20 में हुई चर्चा पर सहमति हुई।

(5) हमने जलवायु परिवर्तन के महत्वपूर्ण मुद्दे पर चर्चा की। जी-20 के देशों ने कोपेनहेगन में होनेवाले UNFCCC में सफल परिणाम का आह्वान किया है।

(6) हम इस बात पर सहमत हुए हैं कि संरक्षणवाद का सामना करने के लिए दोहा संकल्प शीघ्र लाने हेतु काम करना चाहिए। बातचीत की प्रक्रिया फिर से शुरू करने में दिल्ली मंत्रालयीय बैठक की सफलता की सराहना की गई।

(7) हम इस बात पर सहमत हुए कि अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक मुद्दों के लिए भविष्य में जी-20 प्रमुख मंच रहेगा। वैश्विक शासन संरचना के विस्तार की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण प्रगति है।

***